

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज

रविवार 5 अप्रैल 2026

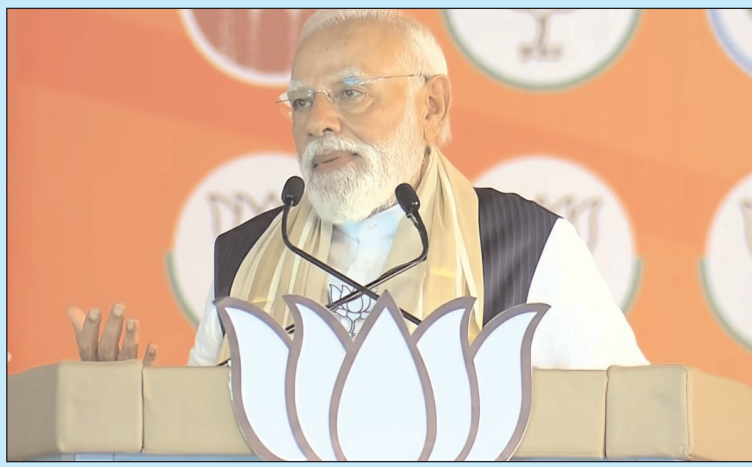
विश्व निर्माण एवं मानव विकास को दुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

एलडीएफ सरकार की उलटी गिनती शुरू, अब एनडीए की बारी है

नई दिल्ली प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 4 अप्रैल को विश्वास व्यक्त किया कि आगामी विधानसभा चुनावों के बाद केरलम में भाजपा-एनडीए सरकार का गठन होगा, और उन्होंने राज्य भर में, विशेष रूप से महिलाओं से मिल रहे मजबूत जनसमर्थन पर प्रकाश डाला। केरलम के थिरुवल्ला में एक रैली को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि मैं पहले भी यहां आ चुका हूँ, लेकिन इस बार बदलाव की हवा अलग दिशा में बह रही है। केरलम में अब सबसे बड़ा परिवर्तन होने जा रहा है। 9 अप्रैल को मतदान होगा और 4 मई को दशकों के कुशासन का अंत घोषित हो जाएगा। अब यह निश्चित है कि एलडीए सरकार के सत्ता से हटने की उलटी गिनती शुरू हो चुकी है। पहली बार केरल में भाजपा-एनडीए की सरकार सत्ता में आ रही है। प्रधानमंत्री ने रैली के रास्ते में देखी गई भारी भीड़ का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि मेरे पहुंचने पर मैंने देखा कि कार्यक्रम स्थल तक जाने वाले पूरे रास्ते पर भारी भीड़ जमा थी। वामपंथी मानव श्रृंखला की बात करते हैं, लेकिन केरल के लोगों ने एनडीए के प्रति अपना प्रेम मानव दीवार बनाकर दिखाया है। उन्होंने कहा कि नॉर्थईस्ट में एक राज्य को छोड़कर भाजपा-एनडीए की सरकार है और वहां पिछले 50-60 साल में जो काम नहीं हुआ, वो हमने करके दिखाया है। गोवा में लगातार भाजपा-एनडीए की सरकार है, गोवा विकास की नई ऊंचाई की छू रहा है। केरलम में भी एनडीए की सरकार बनेगी तो विकास की नई ऊंचाईयों को पाएंगे। स्थानीय किसानों और मछुआरों की हर समस्या का समाधान हम करेंगे। मोदी ने कहा कि इस चुनाव में केरल को लाभ होगा, हालांकि व्यक्तिगत रूप से मुझे कुछ मुकाम हो सकता है। एनडीए के उम्मीदवार अनूप ने पिछले पांच वर्षों से अटूट समर्पण के साथ मेरे साथ काम किया है। वे एक विश्वसनीय सहयोगी रहे हैं, शांत, ईमानदार और अथक, दिन-रात काम करने वाले। मुझे लगा कि केरल को इस युवा नेता की सेवा और ऊर्जा की आवश्यकता है। आज मैं अनूप को केरल की जनता की सेवा के लिए आपके हवाले करता हूँ। उन्होंने कहा कि एलडीए और यूडीएफ सरकारों ने लंबे समय से इस क्षेत्र की उपेक्षा की है। संपर्क मार्ग जर्जर हालत में हैं। वर्षों से कोई नया पुल

पीएम की कांग्रेस को सख्त चेतावनी, पश्चिम एशिया पर बेतुके बयान बंद करें, राजनीति से पहले सुरक्षा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कांग्रेस और वाम लोकतांत्रिक मोर्चा की पश्चिम एशिया संकट के बारे में गैर-जिम्मेदाराना और बेतुकी टिप्पणियों के लिए आलोचना की, जिससे खाड़ी देशों में काम करने वाले लाखों भारतीयों की सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है। पश्चिम एशिया के थिरुवल्ला में एक जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कांग्रेस पर भारत के विरुद्ध शत्रुतापूर्ण बयान देकर पश्चिम एशियाई देशों के साथ अविश्वास पैदा करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का उद्देश्य जनता में दहशत फैलाकर राजनीतिक लाभ प्राप्त करना और भारतीय प्रवासियों के जीवन को खतरे में डालकर भी उन पर गालियां बरसाना है। प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस चाहती है कि पश्चिम एशियाई देश भारत को अपना दुश्मन मानें, कि हम यहाँ कोई गलती करें, कोई बयान दें, और खाड़ी देशों में रहने वाले भारतीयों को परेशानी हो, इसलिए कांग्रेस ऐसे बयान दे रही है जिससे खाड़ी देश नाराज हों। कांग्रेस दहशत फैलाना चाहती है, और मोदी पर आरोप-प्रत्यारोप लगाने का मौका चाहती है। केरलवासियों की सुरक्षा को अपनी सर्वोपरि बताते हुए उन्होंने कहा कि चुनाव अस्थायी होते हैं। उन्होंने आगे कहा कि मैं कांग्रेस, एलडीएफ और यूडीएफ के लोगों से कहना चाहता हूँ कि राजनीति का अपना



स्थान है और चुनाव आते-जाते रहेगें, लेकिन मेरे लिए वहाँ रहने वाले लाखों केरलवासियों की सुरक्षा प्राथमिकता है, और मैं इसके लिए प्रतिबद्ध हूँ। मोदी ने आगे कहा कि पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष ने कांग्रेस और उसके सहयोगियों को "साजिशों" को उजागर कर दिया है, जो इस क्षेत्र में रहने वाले भारतीयों के बीच अविश्वास पैदा करने के लिए बयान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध संकट ने कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों को साजिशों को बेनकाब कर दिया है। आज पूरा देश देख रहा है कि खाड़ी देशों में

नहीं बनाया गया है, और मेडिकल कॉलेज की स्थिति बेहद चिंताजनक है। बुनियादी ढांचे की इस कमी से यह स्पष्ट है कि अपनी जीवन स्तर पर कितना गंभीर प्रभाव पड़ा है। नरेंद्र मोदी ने कहा कि जब केरल में एलडीएफ और यूडीएफ सत्ता में थे, तब केरल को बहुत कम धनराशि मिलती थी। मोदी सरकार के कार्यकाल में, उस अवधि की तुलना में राज्य को पांच गुना अधिक धनराशि आवंटित की गई है। उन्होंने कहा कि सबरीमाला रेलवे परियोजना से पूरे क्षेत्र में नए अवसर खुलेंगे और सबरीमाला तीर्थयात्रियों से सीधा संपर्क

स्थापित होगा। इससे स्थानीय व्यापार को बढ़ावा मिलेगा और युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा होंगे। हालांकि, राज्य सरकार ने इस परियोजना में लगातार बाधाएं खड़ी की हैं। केरल में भाजपा की दोहरी इज्जत वाली सरकार सत्ता में आते ही ये बाधाएं दूर हो जाएंगी। यह मोदी का आश्वासन है। केरल नई गति से विकास करेगा। मोदी ने कहा कि NDA की नीतियों से सबसे अधिक लाभान्वित होने वाला समूह महिलाएँ हैं। महिला सशक्तिकरण हमारी प्राथमिकता है। हमने उनके जीवन के हर स्तर पर चुनौतियों

का समाधान करने के लिए काम किया है। शौचालय निर्माण और बैंक खाते खोलने से लेकर उनके नाम पर पर उपलब्ध कराए और मुद्रा ऋण के माध्यम से उद्यमिता को बढ़ावा देने तक, हमने उनकी नींव मजबूत की है। हम महिला स्वयं सहायता समूहों का भी समर्थन कर रहे हैं, और लखपति दीदी कार्यक्रम ने शानदार परिणाम दिए हैं। हमने पहले ही 3 करोड़ लखपति दीदियां बनाई हैं, और 3 करोड़ और बनाने का लक्ष्य रखा है। यदि केरल में भाजपा सरकार बनती है, तो महिलाओं को सबसे अधिक लाभ होगा।

वैश्विक संकटों के बीच भारत ने दिखाई जबरदस्त मजबूती

जयशंकर ने गिनाई मोदी की कूटनीतिक उपलब्धियां

नई दिल्ली भारत ने हाल के वर्षों में वैश्विक स्तर पर उत्पन्न बड़े संकटों के बीच जिस तरह अपनी मजबूती बनाए रखी है, वह देश की बढ़ती ताकत और संतुलित नीतियों का प्रमाण है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इसी संदर्भ में कहा कि भारत ने दुनिया में चल रहे उथल पुथल के दौर में न केवल खुद को संभाला बल्कि मजबूती के साथ आगे बढ़ा है। छत्तीसगढ़ में स्थित आईआईएम रायपुर के दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भारत ने घरेलू और बाहरी दोनों तरह की चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना किया है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि देश आज दुनिया की शीर्ष पांच अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है और यह उपलब्धि अपने आप में बहुत बड़ी है। जयशंकर ने कहा कि बीते दस वर्षों में देश ने जो प्रगति की है, उसने समाज में एक नया आत्मविश्वास पैदा किया है। यही कारण है कि भारत में आशावाद की भावना देखने को मिलती है, जबकि दुनिया के कई हिस्सों में यह भावना



कमजोर पड़ती दिख रही है। उन्होंने कहा कि यह विश्वास आने वाले वर्षों में और मजबूत होगा और भारत की विकास यात्रा को नई गति देगा। वैश्विक परिदृश्य पर बात करते हुए उन्होंने बताया कि दुनिया इस समय बड़े संरचनात्मक बदलावों से गुजर रही है। देशों के बीच शक्ति संतुलन तेजी से बदल रहा है और इसका असर अंतरराष्ट्रीय राजनीति और अर्थव्यवस्था दोनों पर दिखाई दे रहा है। कई समाज इन बदलावों को स्वीकार करने में कठिनाई महसूस कर रहे हैं, जिससे अस्थिरता बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि आज के समय में तकनीक, ऊर्जा, सैन्य क्षमता, संपर्क और संसाधनों में हो रहे विकास ने प्रतिस्पर्धा को और तीखा बना दिया है। हर देश अपने हितों की रक्षा के लिए नए तरीके अपना रहा है। ऐसे माहौल में देशों को जोखिम कम करने, विविधता लाने और संतुलन बनाने की रणनीति अपनानी होगी। विदेश मंत्री ने पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष और रूस यूक्रेन युद्ध जैसे उदाहरणों का जिक्र करते हुए कहा कि इन घटनाओं ने वैश्विक अर्थव्यवस्था और ऊर्जा आपूर्ति पर गहरा असर डाला है। विशेष रूप से पश्चिम एशिया में तनाव के कारण तेल आपूर्ति पर दबाव बढ़ा है, जिससे दुनिया भर के बाजार प्रभावित हुए हैं।

तमिलनाडु में चुनाव से पहले हिंदी पर फिर सियासत!

शिखा नीति को लेकर स्टालिन और धर्मोत्त प्रधान में छिड़ी बहस



तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव से पहले एक बार फिर हिंदी को लेकर विवाद शुरू हो गया है। इसी मामले पर मुख्यमंत्री एमके स्टालिन और केंद्रीय शिक्षामंत्री धर्मोत्त प्रधान के बीच बहस भी हो गई। सीएम स्टालिन ने नई शिक्षा नीति पर केंद्र सरकार को घेरते हुए कहा था कि यह शिक्षा सुधार नहीं बल्कि एक चालाक तरीके से हिंदी को पूरे देश में फैलाने की कोशिश है। इसी पर जवाब देते हुए धर्मोत्त प्रधान ने कहा कि 'हिंदी थापने' वाली बात पुरानी और थकी हुई राजनीति है। उन्हें हिंदी को अनिवार्य नहीं किया गया है, यह स्टालिन की गलत व्याख्या है। यह मामला राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का है, जिसे केंद्र सरकार ने लागू कर दिया है। इसी शिक्षा नीति में प्राइमरी छात्रों के लिए नियम है- तीन भाषा फॉर्मूला, यानी स्कूल के बच्चों को तीन भाषाएं सीखनी होंगी। इनमें से दो भारतीय

भाषाओं का होना अनिवार्य है। दक्षिण भारत के राज्य केंद्र सरकार पर आरोप लगाते हैं कि नई शिक्षा नीति के जरिए उनके ऊपर हिंदी थापने की कोशिश की जा रही है। नई शिक्षा नीति पर क्या बोले CM स्टालिन? तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और डीएमके चीफ एमके स्टालिन ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि यह शिक्षा सुधार नहीं बल्कि एक चालाक तरीके से हिंदी को पूरे देश में फैलाने की कोशिश है। उन्होंने सवाल किया कि यह नियम एकतरफा क्यों है? दक्षिण के बच्चों को हिंदी सीखनी है, लेकिन हिंदी बोलने वाले राज्यों में तमिल या तेलुगु पढ़ाई जाती है? जवाब है नहीं। स्टालिन ने आरोप लगाया कि केंद्रीय स्कूलों में तमिल पढ़ाने के लिए पर्याप्त टीचर तक नहीं हैं। फिर दूसरों को भारतीय भाषाएं सीखने का उपदेश देना ठीक नहीं लगता।

पीयूष गोयल का एमके स्टालिन पर सीधा हमला

नई दिल्ली केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री और तमिलनाडु चुनाव प्रभारी पीयूष गोयल ने शनिवार को डीएमके सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए मुख्यमंत्री एमके स्टालिन से राज्य के बढ़ते कर्ज और कथित वित्तीय कुप्रबंधन पर सवाल उठाए और पार्टी पर परिवारवाद को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। उन्होंने तमिलनाडु भाजपा अध्यक्ष और सत्तारूढ़ विधानसभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार नेनार नागेंद्रन के साथ मिलकर 'तमिलनाडु सरकार का वित्तीय संकट' शीर्षक से एक श्वेत पत्र जारी किया।



पत्रकारों को संबोधित करते हुए, गोयल ने मुख्यमंत्री पर सीधा निशाना साधते हुए पूछा कि राज्य में उद्योग, किसान, लघु एवं मध्यम

उद्यम क्षेत्र, मछुआरे और युवा संसाधन प्रचुर मात्रा में होने के बावजूद, राज्य का कोष और धन कहां गया है। गोयल ने कहा कि

मेरा मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन से सवाल है कि तमिलनाडु का पैसा कहां गया? यह राज्य उद्योग, मेहनती किसानों, लघु एवं मध्यम उद्यम क्षेत्र, मछुआरों और प्रतिभाशाली एवं लगनशील युवाओं से समृद्ध है - ये सभी संसाधन उत्पन्न करते हैं, तो फिर तमिलनाडु का खजाना खाली क्यों है? तमिलनाडु सरकार द्वारा लिया गया कर्ज ऐतिहासिक रूप से उच्च स्तर पर है। मुख्यमंत्री के पास कोई जवाब नहीं है। वे झूठे बयानों से ध्यान भटका रहे हैं और मूल मुद्दे पर ध्यान नहीं दे रहे हैं।

दिल्ली में 'नो पीयूसी-नो फ्यूल' होगा लागू, प्रदूषण पर रेखा गुप्ता एवशन प्लान लॉन्च

नई दिल्ली दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण पर अब सरकार ने बड़ा और सख्त कदम उठाया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने एयर पॉल्यूशन मिटिगेशन एक्शन प्लान-2026 शुरू किया है। सरकार का दावा है कि इस बार सिर्फ घोषणा नहीं होगी, बल्कि जमीन पर काम भी दिखेगा। मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री जनसेवा सदन में बड़ी बैठक की। इसमें कई मंत्री, अफसर, ट्रैफिक पुलिस और दिल्ली मेट्रो के अधिकारी मौजूद रहे। बैठक के बाद मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली की हवा साफ करना सरकार की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है।

सबसे बड़ा फैसला वाहनों को लेकर हुआ है। अब हल्के पीयूसी-नो फ्यूल नियम सख्ती से लागू होगा। यानी जिस गाड़ी के पास प्रदूषण जांच का वैध कागज नहीं होगा, उसे पेट्रोल या डीजल नहीं मिलेगा, इसके लिए कैमरे और ऑनलाइन सिस्टम लगाए जाएंगे। सरकार ने यह भी साफ कर दिया है कि 1 नवंबर 2026 से दिल्ली में वही भारी वाहन आ सकेगा जो बीएस-6, सीएनजी या इलेक्ट्रिक होगा। पुराने और ज्यादा धुआं छोड़ने वाले ट्रक और मालवाहक वाहन दिल्ली की सीमा में नहीं घुस पाएंगे। जरूरत नहीं होने पर बाहर से आने वाले ट्रैफिक को भी रोका जाएगा।

प्रयागराज में केशव मोर्य का विपक्षी नेताओं पर हमला

प्रयागराज प्रयागराज में उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मोर्य ने एक बार फिर विपक्षी नेताओं पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, सपा प्रमुख अखिलेश यादव और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को लेकर कई तीखे बयान दिए। डिप्टी सीएम ने कहा कि जिस तरह से देश में राहुल गांधी और यूपी में सपा मुखिया अखिलेश यादव सत्ता से बाहर हैं, उसी वजह से उनमें बौखलाहट देखने को मिल रही है। उन्होंने कहा कि ठीक उसी तरह पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी भी बौखलाई हुई हैं क्योंकि उन्हें यह आभास हो गया है कि अब उनकी सत्ता वापस जा रही है। पश्चिम बंगाल की स्थिति पर सवाल



केशव प्रसाद मोर्य ने ममता बनर्जी पर हमला बोलते हुए कहा कि उन्होंने पश्चिम बंगाल में सत्ता की मलाई खाकर उसे बर्बाद कर दिया। उन्होंने कहा कि आज स्थिति यह है कि बिहार, जो कभी पिछड़ा माना जाता था, अब नीतीश कुमार के नेतृत्व में पश्चिम बंगाल से आगे निकल गया है।

सरकार और पिछले 15 साल से चल रही टीएमसी सरकार को जिम्मेदार ठहराया। अखिलेश यादव के कार्यकाल पर निशाना डिप्टी सीएम ने अखिलेश यादव पर हमला करते हुए कहा कि उन्होंने अपने शासनकाल में उत्तर प्रदेश का कोई विकास नहीं किया। उन्होंने कहा कि यही कारण था कि 2017 में प्रदेश की जनता ने उन्हें सत्ता से बेदखल कर दिया। उन्होंने आगे कहा कि बार-बार कोशिशों के बावजूद अखिलेश यादव सत्ता में वापसी नहीं कर पा रहे हैं क्योंकि जनता समाजवादी पार्टी का चरित्र समझ चुकी है। केशव प्रसाद मोर्य ने आरोप लगाया कि सपा सरकार के समय प्रदेश में कानून-व्यवस्था बेहद खराब थी।

बारूद के ढेर पर बैठी दुनिया और गांधी से डरता समाज

निलेश देसाई
आज जब युद्धों को 'न्यायपूर्ण' और 'अपरिहार्य' बताकर प्रचारित किया जाता है, तब गांधी का यह प्रश्न कि, क्या आपका साधन आपके साध्य को ही नष्ट तो नहीं कर रहा? सत्ता और समाज दोनों को असहज कर देता है। गांधी सत्ता के लिए असहज थे और आज भी हैं, क्योंकि वे केवल विरोध में नहीं, बल्कि समर्थन में भी नैतिक सवाल खड़े करते थे। आज की दुनिया एक अजीब और डरावनी विडंबना से गुजर रही है। एक तरफ हमारे पास कृत्रिम मेधा (एआई) और अंतरिक्ष फतह करने वाली तकनीक है, तो दूसरी तरफ हमारे विचार पाषाण युग की हिंसक प्रवृत्तियों की ओर लौट रहे हैं। रूस की सीमाओं से लेकर मध्य-पूर्व के मलबाँ तक, और दक्षिण चीन सागर की लहरों से लेकर हमारे अपने भीतर पनपती नफरत तक—पूरी मानवता आज बारूद के ढेर पर बैठी है। ऐसे समय में जब मिसाइलों की गर्जना और ड्रोंनों की भिन्भिनाहट को 'राष्ट्रीय गौरव' का संगीत मान लिया गया हो, महात्मा गांधी की याद आना कई लोगों को एक पुरानी पड़ चुकी रस्म लग सकता है।



लेकिन हकीकत इससे कहीं अधिक गहरी और कड़वी है। गांधी आज अप्रासंगिक नहीं हुए हैं, बल्कि वे आज के समाज और सत्ता के लिए पहले से कहीं अधिक 'असुविधाजनक' और 'असहज' हो गए हैं। सच तो यह है कि आज का वैश्विक समाज गांधी से डरता है, क्योंकि गांधी केवल शांति की बात नहीं करते, वे उस 'नैतिक साहस' की मांग करते हैं जो आज की दुनिया में लगभग विलुप्त हो चुका है। युद्ध का उत्सव और शांति का डर: आज युद्ध केवल सीमाओं पर नहीं लड़े जा रहे; वे हमारे ड्राइंग रूम और मोबाइल स्क्रीन तक पहुंच चुके हैं। टेलीविजन स्क्रीन युद्ध को एक 'लाइव तमाशा' बना रही हैं और सोशल मीडिया हिंसा को एक सामान्य, यहां तक कि गौरवशाली घटना की तरह परोस रहा है। युद्ध की इस मानसिकता में सबसे पहली बलि 'संवाद' की चढ़ती है। गांधी का डर यहीं से शुरू होता है। गांधी हमें एक ऐसी जगह ले जाकर खड़ा कर देते हैं जहां 'दुश्मन' की कोई सरल और इकहरी परिभाषा नहीं है। आज की राजनीति और सार्वजनिक विमर्श को 'स्पष्ट दुश्मन' चाहिए ताकि वे अपनी हिंसा को जायज

ठहरा सके। लेकिन गांधी याद दिलाते हैं कि अन्याय कहीं भी हो, आत्मचिंतन की जिम्मेदारी दोनों पक्षों की है। वे याद दिलाते हैं कि 'आंख के बदले आंख पूरी दुनिया को अंधा बना देगी।' आज की सत्ताएं और युद्धोन्मादी समाज इस वाक्य से इसलिए डरते हैं क्योंकि यह उनके प्रतिशोध के तर्क को कमजोर कर देता है। चुनावी कवरेज बाइनरी का जाल और गांधी की जटिलता: हम एक ऐसे युग में जी रहे हैं जो 'बाइनरी' (या तो आप हमारे साथ हैं या दुश्मन के साथ) पर टिका है। सोशल मीडिया ने हमारी सुनने की क्षमता घटा दी है और चीखने की ताकत बढ़ा दी है। इस शोर के बीच गांधी की आवाज धीमी, संयमित और सबसे बढ़कर 'प्रश्नवाचक' है। आज जब युद्धों को 'न्यायपूर्ण' और 'अपरिहार्य' बताकर प्रचारित किया जाता है, तब गांधी का यह प्रश्न कि, क्या आपका साधन आपके साध्य को ही नष्ट तो नहीं कर रहा? सत्ता और समाज दोनों को असहज कर देता है। गांधी सत्ता के लिए असहज थे और आज भी हैं, क्योंकि वे केवल विरोध में नहीं, बल्कि समर्थन में भी नैतिक सवाल खड़े करते थे।

गोपीगंज मंडी में डीएम-एसपी ने किया गेहूं खरीद का निरीक्षण, किसान को किया सम्मानित

अखंड भारत संदेश
भदोही जिनपद में रबी विपणन वर्ष 2026-27 के तहत संचालित गेहूं खरीद व्यवस्था का जायजा लेने के लिए जिलाधिकारी शैलेश कुमार और पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी ने शनिवार को गोपीगंज स्थित मंडी समिति के गेहूं क्रय केंद्र (तहसील ज्ञानपुर) का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान जिला खाद्य विपणन अधिकारी और मंडी समिति के सचिव भी मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान केंद्र प्रभारी पंकज भारती मौके पर उपस्थित मिले। अधिकारियों ने केंद्र पर व्यवस्थाओं को संतोषजनक पाया।



यहां बैनर, सत्यापित इलेक्ट्रॉनिक कांटे, नमी मापक यंत्र, पावर डस्टर, ई-पॉप मशीन, ई-उपाजर्न के लिए लैपटॉप सहित सभी जरूरी संसाधन उपलब्ध मिले। निरीक्षण के समय ग्राम तिलंगा

निवासी किसान विजय शंकर मिश्रा अपनी उपज लेकर केंद्र पर पहुंचे थे। उन्होंने करीब 20 कुंतल गेहूं बिक्री के लिए लाया था। जिलाधिकारी ने स्वयं उनकी थपा की तौल प्रक्रिया शुरू कराई।

पूर्व प्रमुख के भतीजे राजेश सिंह ने गोलीमार कर दे दी जान

अखंड भारत संदेश
गोपीगंज। कोतवाली क्षेत्र के सारीपुर गांव में राजेश कुमार सिंह (अनु.) 56 वर्ष ने अपने पुरतैनी मकान के उपरी मंजिल स्थित कमरे में लाइसेंसी राइफल से उस समय आत्म हत्या कर लिए जब परिवार का कोई सदस्य घर में मौजूद नहीं था, अचानक हुई इस घटना से पूरा परिवार पर गम का पहाड़ टूट गया है, पूर्व प्रमुख दिनेश कुमार सिंह के भतीजे अनु सिंह वर्ष 2005 में काशी नरेश राजकीय महाविद्यालय में छात्र संघ का चुनाव में अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ चुके हैं, दो भाई में छोटे, मृतक को एक पुत्र एक पुत्री है, पूर्व प्रमुख दिनेश सिंह के परिवार



के सभी सदस्य परिवार सहित वाराणसी रहते हैं, ईट भग्ना व अन्य काम देखने के लिए गांव में आते जाते थे। शनिवार को लगभग 11.30 बजे वाराणसी से गांव पहुंचे अनु सिंह मकान में स्थित दूसरे मंजिल पर स्थित कमरे में पहुंचे कुछ देर बाद लाइसेंसी राइफल से सर में गोली मार लिया, इस दौरान खाना लेकर नौकर कमरे में पहुंचा तो अवाक रह गया।

विवाह संस्था और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के बीच नई स्वाई

-ललित गार्ग-
आधुनिकता के संक्रमणकालीन दौर में सबसे अधिक यदि कोई संस्था प्रश्नों के घेरे में है, तो वह विवाह और रिश्तों की पारंपरिक अवधारणा है। बदलती जीवनशैली, आर्थिक आत्मनिर्भरता, तकनीक, वैश्वीकरण और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की बढ़ती चेतना ने रिश्तों की परिभाषा, अपेक्षाएं और संरचना-सब कुछ बदल दिया है। यही कारण है कि आज रिश्तों से जुड़े प्रश्न केवल सामाजिक विमर्श का विषय नहीं रहे, बल्कि अदालतों तक पहुंच रहे हैं। हाल ही में इलाहाबाद उच्च न्यायालय के दो फैसलों ने व्यक्तिगत स्वतंत्रता और विवाह संस्था के बीच उत्पन्न हो रही नाजुक खाई को उजागर किया है। एक निर्णय में न्यायालय ने कहा कि वयस्कों के बीच आपसी सहमति से बना लिव-इन रिश्तेनाशिय, भले ही एक साथी विवाहित हो, अपराध नहीं है; वहीं दूसरे मामले में न्यायालय ने ऐसे ही एक जोड़े को संरक्षण देने से इनकार कर दिया और कहा कि व्यक्तिगत स्वतंत्रता के नाम पर पति या पत्नी के कानूनी अधिकारों को कमजोर नहीं किया जा सकता। यह विरोधाभास वास्तव में न्यायिक असंगति से अधिक एक कानूनी रिक्तता और सामाजिक संक्रमण का संकेत है। वास्तव में एक हकीकत यह भी है कि भारतीय समाज में वैवाहिक अधिकारों और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के बीच संतुलन बनाने वाले एक प्रभावी ढांचे की लंबे समय से आवश्यकता महसूस की जाती रही है। हमें मौजूदा परिदृश्य में यह बात स्वीकार करनी होगी कि यद्यपि विवाह संस्था संरक्षण की हकदार है, फिर भी पुरुष या स्त्री की व्यक्तिगत स्वतंत्रता को अनिश्चित काल तक इसके अधीन बंधक बनाकर नहीं रखा जा सकता है। निश्चित ही भारतीय संविधान का अनुच्छेद 21 प्रत्येक व्यक्ति को जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार देता है और इसी के दायरे में न्यायालयों ने समय-समय पर लिखित रिश्तेनाशिय को अपराध की श्रेणी से बाहर माना है। लेकिन दूसरी ओर, भारतीय कानून विवाह को एक कानूनी और सामाजिक संस्था के रूप में सर्वोच्च प्राथमिकता देता है, जिसमें



अधिकार और दायित्व दोनों शामिल हैं। यही वह बिंदु है जहाँ व्यक्तिगत स्वतंत्रता और वैवाहिक अधिकारों के बीच टकराव उत्पन्न होता है। न्यायालय लिव-इन संबंधों को अपराध नहीं मानता, परंतु उनके सभी परिणामों को वैध मानने में संकोच करता है। यह स्थिति न केवल कानूनी भ्रम उत्पन्न करती है, बल्कि सामाजिक असुरक्षा भी पैदा करती है। वास्तव में समस्या न्यायिक निर्णयों की नहीं, बल्कि स्पष्ट विधायी ढांचे की कमी की है। यदि व्यापक सामाजिक परिप्रेक्ष्य में देखें तो भारतीय समाज इस समय एक बड़े संक्रमणकाल से गुजर रहा है। एक ओर सदियों से स्थापित पारंपरिक जीवन मूल्य हैं, जिनमें विवाह केवल एक अनुबंध नहीं बल्कि एक संस्कार, सामाजिक स्वीकृति और पारिवारिक व्यवस्था का आधार है; दूसरी ओर आधुनिक जीवन की वास्तविकता है, जहाँ व्यक्ति की स्वतंत्रता, आत्म-विकास, करियर, आर्थिक स्वायत्तता और व्यक्तिगत संतुष्टि को भी समान महत्व दिया जा रहा है। विशेष रूप से महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता ने रिश्तों की शक्ति-संतुलन व्यवस्था को बदल दिया है। अब रिश्ते केवल सामाजिक दबाव से नहीं, बल्कि आपसी समझ और संतुष्टि के आधार पर टिके रहते हैं। परिणामस्वरूप, रिश्तों की स्थायित्व की अवधारणा बदल रही है और प्रतिबद्धता अब आजीवन वचन से अधिक एक निरंतर पुनर्मूल्यांकन की प्रक्रिया बनती जा रही है। पिछली पीढ़ियों में विवाह जीवन का अनिवार्य चरण माना जाता था। हमारे माता-पिता और दादा-दादी के लिए विवाह केवल दो व्यक्तियों का नहीं, बल्कि दो परिवारों का संबंध था और जीवन भर साथ निभाना ही उसका लक्ष्य था। लेकिन आधुनिक पीढ़ी रिश्तों को

अलग दृष्टि से देख रही है। आज के युवा पहले शिक्षा, करियर और आर्थिक स्थिरता को प्राथमिकता देते हैं, उसके बाद रिश्तों के बारे में निर्णय लेते हैं। कुछ लोग विवाह से पहले साथ रहने का विकल्प चुनते हैं, कुछ रिश्तों को नाम देने से भी बचते हैं और कुछ लोग विवाह के बजाय साझेदारी को अधिक उपयुक्त मानते हैं। इसका अर्थ यह नहीं कि आधुनिक पीढ़ी रिश्तों को महत्व नहीं देती, बल्कि इसका स्पष्ट विवाह को कमी की है। यदि व्यापक सामाजिक परिप्रेक्ष्य में देखें तो भारतीय समाज इस समय एक बड़े संक्रमणकाल से गुजर रहा है। एक ओर सदियों से स्थापित पारंपरिक जीवन मूल्य हैं, जिनमें विवाह केवल एक अनुबंध नहीं बल्कि एक संस्कार, सामाजिक स्वीकृति और पारिवारिक व्यवस्था का आधार है; दूसरी ओर आधुनिक जीवन की वास्तविकता है, जहाँ व्यक्ति की स्वतंत्रता, आत्म-विकास, करियर, आर्थिक स्वायत्तता और व्यक्तिगत संतुष्टि को भी समान महत्व दिया जा रहा है। विशेष रूप से महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता ने रिश्तों की शक्ति-संतुलन व्यवस्था को बदल दिया है। अब रिश्ते केवल सामाजिक दबाव से नहीं, बल्कि आपसी समझ और संतुष्टि के आधार पर टिके रहते हैं। परिणामस्वरूप, रिश्तों की स्थायित्व की अवधारणा बदल रही है और प्रतिबद्धता अब आजीवन वचन से अधिक एक निरंतर पुनर्मूल्यांकन की प्रक्रिया बनती जा रही है। पिछली पीढ़ियों में विवाह जीवन का अनिवार्य चरण माना जाता था। हमारे माता-पिता और दादा-दादी के लिए विवाह केवल दो व्यक्तियों का नहीं, बल्कि दो परिवारों का संबंध था और जीवन भर साथ निभाना ही उसका लक्ष्य था। लेकिन आधुनिक पीढ़ी रिश्तों को

भदोही में 75 हजार के इनामी समेत तीन गांजा तस्कर गिरफ्तार, 22 किलो से अधिक मादक पदार्थ बरामद

अखंड भारत संदेश
भदोही जिनपद पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए 75 हजार रुपये के इनामी समेत तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से 22 किलो 360 ग्राम गांजा, 1900 रुपये नकद और घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद की है। पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी के निर्देशन और अपर पुलिस अधीक्षक शुभम अग्रवाल के पर्यवेक्षण में कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर फतुपुर पावर हाउस के पास घेराबंदी कर तस्करों को पकड़ा।



गिरफ्तार आरोपियों में 50 हजार रुपये का इनामी कल्लू उर्फ अनवर, 25 हजार रुपये का इनामी सोनू और राजू शामिल हैं। सभी आरोपी सुरियावां थाना क्षेत्र के निवासी हैं। पुलिस के अनुसार, आरोपियों के खिलाफ थाना भदोही में एनडीपीएस एक्ट और मोटर वाहन अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर उन्हें न्यायालय भेज दिया गया है।

संपूर्ण समाधान दिवस में 59 शिकायतें पहुंचीं, 9 का मौके पर निस्तारण

अखंड भारत संदेश
भदोही जिनपद की सभी तहसीलों में शनिवार को हस्तसंपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया, जहां अधिकारियों ने फरियादियों की समस्याएं सुनकर उनके निस्तारण के निर्देश दिए। तहसील औराई में जिलाधिकारी शैलेश कुमार और पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी की अध्यक्षता में मुख्य कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी बाल गोविंद शुक्ला, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. संतोष कुमार चक समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे तहसील ज्ञानपुर में उप जिलाधिकारी भान सिंह और



तहसील भदोही में उप जिलाधिकारी अरुण गिरि ने शिकायतें सुनीं। अधिकारियों ने फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। औराई तहसील में आयोजित समाधान दिवस में विभिन्न विभागों

से जुड़ी कुल 59 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 9 का निस्तारण मौके पर कर दिया गया। शेष मामलों को 15 दिन के भीतर गुणवत्तापूर्ण ढंग से निपटाने के निर्देश दिए गए। विद्युत विभाग के 7 और जल निगम के 4 मामलों को संबंधित अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर हल करने को कहा गया।

उम्मीद की कतार में खड़ा मरीज, लेकिन इलाज से पहले टूटता भरोसा

अखंड भारत संदेश
गाजीपुर। जनपद के मुहम्मदाबाद क्षेत्र की सुबहें अब सिर्फ उम्मीद नहीं, बल्कि एक अनकही चिंता भी लेकर आती हैं। यहां के सरकारी अस्पतालों के बाहर खड़े मरीजों की लंबी कतारें सिर्फ इलाज की प्रतीक्षा नहीं करतीं वे उस भरोसे को थामे खड़ी होती हैं, जो धीरे-धीरे कमजोर पड़ता जा रहा है। कभी मामूली सिरदर्द, पेट दर्द या हल्की पेशानी लेकर आने वाली मरीज जब डॉक्टर के सामने बैठता है, तो उसे राहत के कुछ शब्दों की उम्मीद होती है। लेकिन इसके बजाय जब उसके हाथ में जांचों की लंबी सूची थमा दी जाती है, अल्ट्रासाउंड, एक्स-रे और न जाने कितनी महंगी जांचें—तो उसके चेहरे पर चिंता की लकीरें और गहरी हो जाती हैं। बीमारी से ज्यादा उसे अब अपने खर्च की चिंता सताने लगती है। गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए यह स्थिति किसी सपने से कम नहीं। एक-एक जांच के लिए



इधर-उधर भटकना, पैसे जुटाना, और फिर भी यह डर कि कहीं कुछ और न लिख दिया जाए सब उनके मन को भीतर तक तोड़ देता है। लोगों के बीच एक दर्द भरी चर्चा आम हो चुकी है—क्या सच में इलाज हो रहा है, या फिर सब कुछ एक ऐसे चक्र में बदल गया है जहां मरीज सिर्फ कमाई का जरिया बनकर रह गया है? जब यह सुनने को मिलता है कि जांच केंद्रों से कमीशन का खेल चलता है, तो भरोसे की नींव और भी हिल जाती है। स्थिति यहीं तक सीमित नहीं है। जन औषधि केंद्र, जहां सस्ती दवाओं से लोगों को राहत मिलनी चाहिए।

700 फर्जी खातों के जरिए 67 करोड़ की साइबर टगी, तीन अंतरराज्यीय आरोपी गिरफ्तार

अखंड भारत संदेश
गाजीपुर। देशभर में फर्जी बैंक खातों का जाल बिछाकर करोड़ों रुपये की साइबर टगी करने वाले तीन अंतरराज्यीय अपराधियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से बड़ी संख्या में बैंक पासबुक, एटीएम कार्ड, सिम कार्ड और मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। पुलिस के अनुसार, साइबर थाना में मनीष कुशवाहा की तहरीर पर दर्ज मुकदमे में कार्रवाई करते हुए यह गिरफ्तारी की गई। यह मामला भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं और आईटी एक्ट के तहत दर्ज किया गया था। पुलिस अधीक्षक इराज राजा के निर्देशन में



गठित टीम ने सर्विलांस और साक्ष्य संकलन के आधार पर तीनों आरोपियों को तीन अंशों को फुल्लनपुर तिराहा, लंका मैदान के पास से गिरफ्तार किया। ऐसे करते थे ठगी का नेटवर्क तैयार जांच में सामने आया कि आरोपी लोगों को लालच देकर उनके नाम पर फर्जी (मूल) बैंक खाते खुलवाते थे। इसके लिए आधार कार्ड, पैन कार्ड और अन्य दस्तावेज लेकर करंट अकाउंट खुलवाए जाते थे।

को गिरफ्तार कर लिया गिरफ्तार आरोपी की पहचान अरुण कुमार श्रीवास्तव उर्फ बच्चा श्रीवास्तव निवासी सराय भाई थाना धम्मौर के रूप में हुई है। सीओ सिटी सौरभ सामंत ने बताया कि आरोपी पर थाना धम्मौर में बीएनएस की विभिन्न धाराओं सहित गैंगस्टर एक्ट का मुकदमा दर्ज है और वह काफी समय से फरार चल रहा था गिरफ्तार करने वाली टीम में थानाध्यक्ष प्रमोद कुमार, उपनिरीक्षक मो. नासिर कुरैशी, कांस्टेबल ईशू यादव और कांस्टेबल अमरेश यादव शामिल रहे।

पिता ने कलेजे के टुकड़े संग कर दी दिल दहलाने वाली वारदात

सुलतानपुर। कुड़वार थाना क्षेत्र के मडहा गांव में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। दिमागी रूप से असंतुलित बताए जा रहे पिता ने अपने ही 9 माह के मासूम बेटे की कुल्हाड़ी के बेट से मारकर हत्या कर दी। घटना से गांव में सनसनी फैल गई और परिवार में कोहराम मच गया। निवासी शंभूदयाल कोरी पुत्र दयाराम का पत्नी रंजू से किसी बात को लेकर विवाद हो गया। विवाद के दौरान उसने पत्नी के साथ मारपीट की और गुस्से में आकर अपने 9 माह के बेटे शिवांश पर



कुल्हाड़ी के बेट से हमला कर दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद गांव में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक व अपर पुलिस अधीक्षक पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। आरोपी पिता को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

25 हजार रुपये के इनामी बदमाश को गिरफ्तार

सुलतानपुर। बंधुआकला थाना पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट में वांछित कर रहे 25 हजार रुपये के इनामी बदमाश को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर घेराबंदी कर आरोपी को नहर किनारे से पकड़ा। गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ कई अपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षण में भेज दिया गया। पुलिस अधीक्षक चारु निगम के निर्देश पर अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत बंधुआकला थानाध्यक्ष प्रमोद कुमार पुलिस टीम



के साथ शनिवार को क्षेत्र में संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग कर रहे थे इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि गैंगस्टर एक्ट का वांछित और 25

हजार रुपये का इनामी आरोपी खलेश्रपुर नहर के पास मौजूद है। सूचना पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और आरोपी

इसौली में सक्रिय हुई मनीषा पांडे, 2027 चुनाव को लेकर किया जनसंपर्क तेज

सुलतानपुर। इसौली विधानसभा क्षेत्र में भाजपा नेत्री मनीषा पांडे ने आगामी 2027 विधानसभा चुनाव को लेकर जनसंपर्क अभियान तेज कर दिया है। वह लगातार क्षेत्र के गांवों में पहुंचकर लोगों से मुलाकात कर रही हैं और उनकी समस्याएं सुनकर समाधान का भरोसा दे रही हैं। भाजपा नेत्री मनीषा पांडे ने कहा कि विपक्ष द्वारा क्षेत्र में भ्रम फैलाने का काम किया जा रहा है, लेकिन जनता अब जागरूक है और विकास के मुद्दे पर भाजपा के साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि वह इसौली की बेटी हैं और क्षेत्र की सेवा व विकास के लिए पूरी तरह



समर्पित हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं और समर्थकों से आह्वान करते हुए कहा कि संगठन की ताकत से ही चुनाव जीता जाता है, इसलिए सभी लोग अभी से जुट जाएं और सरकार की योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाएं। उन्होंने कहा कि भाजपा हमेशा आम जनता और जनसंघर्ष के साथ खड़ी रही है।

स्कूल चलो अभियान का हुआ शुभारंभ, दिखाया गया सीएम योगी के कार्यक्रम का लाइव प्रसारण

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। उत्तर प्रदेश सरकार में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा शनिवार को कंपोजिट विद्यालय शिवपुर (वाराणसी) से स्कूल चलो अभियान का शुभारंभ किया गया। जिसका लाइव प्रसारण जनपद के ऑडिओरियम भवन सोनेपुर में किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम का शुभारंभ जिलाधिकारी व जनप्रतिनिधियों द्वारा किया गया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम में स्कूल चलो अभियान पर गीत गाकर कंपोजिट विद्यालय लुढ़वावा, कस्तूरवा गांधी बालिका विद्यालय चकोंध व कस्तूरबा गांधी विद्यालय शिवरामपुर के बच्चों द्वारा प्रस्तुत किया गया। साथ ही अभियान को कटपुतली अभिनय के माध्यम से अनुरजना द्वारा प्रस्तुत किया गया एवं बच्चों द्वारा सरस्वती वंदना की प्रस्तुति भी की गई।

मुख्यमंत्री के संबोधन में जिलाधिकारी द्वारा अपनी बेटी का आगनबाड़ी केंद्र में नामांकन का उद्घाटन देने पर ऑडिओरियम भवन में स्कूल चलो अभियान के अंतर्गत उपस्थित जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों द्वारा जिलाधिकारी के इस सराहनीय कार्य के लिए अंग वक्ष

देकर सम्मानित किया गया। जिसके बाद डीएम ने कहा कि आगनबाड़ी केंद्र व प्राथमिक विद्यालयों में शिक्षा पर भरोसा बढ़ा है। उन्होंने बेसिक शिक्षा अधिकारी व उपस्थित अध्यापक अध्यापिकाओं से कहा कि स्कूलों में मिड-डे-मील में आलू की सब्जियाँ न बनाकर पौष्टिक, हरी सब्जियाँ दे। उन्होंने कहा कि 2025 में 118000 बच्चे पढ़ते थे और आज चार दिन में ही बच्चों का नामांकन 5000 से शुरूआत हो चुकी है।

उन्होंने कहा कि प्रत्येक वर्ष बच्चों की संख्या बढ़ रही है। कहा कि जनपद में एक लाख पच्चीस हजार बच्चों का लक्ष्य रखा गया है जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद में 1262 विद्यालय हैं, जिसमें 5500 शिक्षक हैं। उन्होंने कहा कि कायाकल्प के अंतर्गत शेष छात्र छात्राओं के लिए शौचालय बाउंड्रीवाल, भूमि विवाद की जो समस्या है। अगले 3 महीने में निस्तारण करा लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि अब स्कूलों में फर्नीचर, कंप्यूटर, लैब, लाइब्रेरी से शिक्षा में गुणवत्ता के लिए गतिविधियाँ बढ़ाई जा रही हैं। छात्र छात्राओं के नामांकन में संख्या की बढ़ोतरी हो रही है। साथ ही कहा कि स्थानीय लोग अपने



बच्चों को स्कूल जाने से रोकते हैं, जबकि ऐसा नहीं होना चाहिए। उन्होंने शिक्षकों से कहा कि आप लोग अभिभावकों से निरंतर मीटिंग करते रहिए।

पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह ने कहा कि शिक्षा शेरनी का दूध है जो पिपाया, वही दहाड़गा। उन्होंने कहा कि आज बहुत ही अच्छी शिक्षा हो गई है लेकिन पहले भी शिक्षा का स्तर कम नहीं थी, उन्होंने कहा कि पहले बोरे और टाट पर बैठते थे। उन्होंने शिक्षा की गुणवत्ता के सुधार के संबंध

में कहा कि जब एक ही स्कूल में माई के बेटे और दाई के बेटे का नामांकन हो तभी सुधार हो पाएगा। उन्होंने जिलाधिकारी का उदाहरण देते हुए कहा कि अपने बच्चे का नामांकन आगनबाड़ी स्कूल में कराए हैं। उन्होंने सभी उपस्थित छात्राओं से कहा कि अपने बड़ों से सीख लेनी चाहिए एवं उपस्थित अध्यापक अध्यापिकाओं से भी कहा कि सरकारी होकर अपने बच्चों को सरकारी स्कूल में पढ़ाए न कि प्राइवेट में तभी शिक्षा में सुधार हो पाएगा। उन्होंने कहा कि अपने बच्चों

को विनम्र अभिवादन व राष्ट्र के प्रति सजगता सिखाए। कहा कि घर की पाठशाला अच्छी होती है, वहीं से बच्चा सीखता है। कहा कि अपने जिम्मेदारियों का निर्वहन करें। उन्होंने उपस्थित अध्यापकों से कहा कि अपने विद्यार्थी हर जिले, प्रदेश देश में कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि समाज के सभी नागरिक को गढ़ने के लिए आप लोगों ने जो बीड़ा उठाए हैं, वह सराहनीय है।

पूर्व सांसद भैरव प्रसाद मिश्रा ने कहा कि स्कूल चलो अभियान का

शुभारंभ अप्रैल महीने में शुरू हो गया है। इस अवसर पर बेसिक शिक्षा विभाग को भी बधाई देता हूँ। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री के नेतृत्व में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार हुआ है एवं सुधार का कार्य शिक्षक व शिक्षिकाओं द्वारा भी किया जा रहा है। उन्होंने जिलाधिकारी को बधाई देते हुए कहा कि अपने बच्चे का एडमिशन आगनबाड़ी में कराया है, जो सराहनीय है। उन्होंने यह भी कहा कि मैं अपनी नाती का भी एडमिशन आगनबाड़ी केंद्र में कराया हूँ। पूर्व सांसद ने कहा कि हम लोग भी प्राथमिक विद्यालय से पढ़कर आए हैं जो सांसद विधायक बने हैं। कहा कि लगन होनी चाहिए सफलता मिलती रहेगी। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी उपस्थित अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि बेसिक शिक्षा मुख्यमंत्री का प्राथमिकता है एवं जिला अधिकारी का भी प्राथमिकता है। कहा कि यह स्वर्णिम अवसर है जिसमें जिलाधिकारी बालिकाओं की शिक्षा के लिए चिंतित रहते हैं। उन्होंने कहा कि प्रतिवर्ष नामांकन बढ़ रहा है, शैक्षिक गुणवत्ता भी बढ़ रही है। कहा कि जिलाधिकारी के मार्गदर्शन से एवं शिक्षक की सहायता से जनपद बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि डीबीटी के माध्यम

से 1200 रुपये युनिफार्म खरीदने के लिए दिया जाता है। उन्होंने सभी अभिभावकों से अनुरोध किया कि इसका लाभ उठाएँ। उन्होंने यह भी कहा कि जो अतिथियों द्वारा मार्गदर्शन दिया गया है हम और पूरे बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा उसका पालन किया जाएगा।

इस अवसर पर नवप्रवेशी कक्षा छह में नया बाजार शिवम, सत्यम, कंपोजिट विद्यालय कर्वी से महक, बुधविलास खोह से सिद्धार्थ, काजल, सौनियर बालिका विद्यालय कर्वी से देवा, सचिन, सुशीला और कंपोजिट विद्यालय बनकट से वैभव नवप्रवेशी छात्र-छात्राओं को अंजु बनकट से स्वाति व रुचि खोह से माही चतुर्वेदी व जानकी को निःशुल्क पुस्तक वितरण कर स्वागत किया गया। कक्षा सात में बनाडी से शुभम, अरविंद, सुरज, आशीष सोनेपुर से निशी, प्रियंका शशिर्कांत नया बाजार से अंकित मानसी एवं कक्षा 8 में सोनेपुर से ज्योति, क्रांति, काजल, राकेश, अमन नया बाजार से अंजु बनकट से स्वाति व रुचि खोह से माही चतुर्वेदी व जानकी को निःशुल्क पुस्तक वितरण किया गया।

इस अवसर पर अध्यापक अध्यापिकाओं को सम्मानित किया गया जिसमें नगर क्षेत्र से आराधना सिंह, रामकृष्ण मौर्य, मंजू देवी, रामनगर से शैलेंद्र कुमार, बलराम सिंह मऊ से

हरिनारायण सिंह, अशोक द्विवेदी, आलोक गर्ग, चित्रकूट से गजदैन पटेल, अशोक कुमार सिंह, कमलेश कुमार कंचन पहाड़ी से प्रमोद कुमार मानिकपुर से रोहड़ी मिश्रा, भगत सिंह, कल्याण सिंह, ओम प्रकाश सिंह को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। सभा का संचालन शिक्षक साकेत विहारी शुक्ला ने किया।

इसके बाद जिलाधिकारी व जनप्रतिनिधियों द्वारा प्रत्येक तहसील के लिए स्कूल चलो अभियान की बैन का हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। यह बैन प्रत्येक तहसील के ग्राम पंचायत में जा जाकर स्कूल चलो अभियान का प्रचार प्रसार करेगी। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष अशोक जाटव, पूर्व मंत्री चन्द्रिका प्रसाद उपाध्याय, मुख्य विकास अधिकारी डीपी पाल, जिला भाजपा अध्यक्ष महेंद्र कोटाव, जिला सहकारी बैंक अध्यक्ष पंकज अग्रवाल, खंड शिक्षा अधिकारी मुख्यालय शाशांक शेखर शुक्ला, जिला महामंत्री मनोज मनोज तिवारी, जिला विद्यालय निरीक्षक रविशंकर, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डीके शर्मा सहित खंड विकास अधिकारी, अध्यापक, छात्र-छात्राएं व अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

कलश यात्रा के साथ हुआ भागवत कथा का शुभारंभ

चित्रकूट। नगर के तरौहा मुहल्ले के गर्मन टोला में शनिवार से भव्य कलश शोभा यात्रा के साथ भागवत कथा शुरू हो गई। कथा व्यास रमाकांत महाराज ने पहले दिन भागवत महात्म्य पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि भागवत कथा सुनने वालों के समस्त पाप नष्ट हो जाते हैं। इस मौके पर कथा यजमान राजकुमार गौतम, फूलकली देवी, संगम गौतम, विनीता, सूरज गौतम, अतिमा, शालिकराम, सत्यनारायण, शिवप्रसाद, श्यामसुंदर, हनुमान, राजेन्द्र पांडेय, सरिता, वाल्मीकि पांडेय, अनीता, कमल कृष्ण पांडेय, पूनम, बुधप्रकाश पांडेय, आरती, पंकज पांडेय, संगीता, रज्जन प्रसाद पांडेय, कुशल, अनिकेत, शिवांश व अनुराग आदि मौजूद रहे।

आकांक्षी ब्लॉक व जिला कार्यक्रमों की प्रगति पर जोर 15 दिन में समीक्षा निर्देश

चित्रकूट। जिलाधिकारी के कैब कार्यालय में सायं 5 बजे हुई समीक्षा बैठक महज औपचारिकता नहीं, बल्कि विकास की कसौटी पर प्रशासन की परीक्षा बन गई। नीति आयोग के सम्पूर्णता अभियान 2.0 के तहत आकांक्षी ब्लॉक रामनगर को केंद्र में रखकर जिलाधिकारी ने साफ संकेत दे दिए- अब अंकड़ों का खेल नहीं, जमीन पर असर चाहिए। गर्भवती महिलाओं से लेकर नौनिहालों तक पोषण की गारंटी, आगनबाड़ी केंद्रों में बुनियादी सुविधाओं की तत्काल बहाली, और योजनाओं की 100 प्रतिशत पहुँच- हर मोर्चे पर अबकी बार पूरा काम का मंत्र गूँथा। आयुष्मान, किसान सम्मान निधि और सांग्ल हेल्थ कार्ड जैसे मोर्चों पर शत-प्रतिशत कवरेज का टारगेट तय करते हुए हर 15 दिन में प्रगति की सख्त समीक्षा का फरमान भी जारी हुआ।

माया मोह छोड़कर भगवान के शरण में जाने से होता है कल्याण

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। बराह माफी में 1 अप्रैल से श्रीमद्भागवत महापुराण ज्ञान यज्ञ कथा कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। शनिवार चतुर्थ दिवस भगवान के जन्म लीला का वर्णन व्यास महाराज के श्रीमुख से स्थानीय लोग अबूँ भगवान की दिव्य कथा का रसास्वादन किया जा रहा है। स्थानीय व क्षेत्रीय लोग इस दिव्य कथा में पधार कर कथा को पावन कर रहे हैं।

इस दिव्य भूमि में श्री मदभागवत महापुराण की कथा का रसास्वादन कराने के लिए पद्यों हैं, जिस कथा का सुंदर संकल्प पाण्डेय परिवार ने लिया। शनिवार को चतुर्थ दिवस की कथा में आचार्य रवि ने गजेन्द्र मोक्ष की कथा का सार बताया कि संसार में हमको कैसे रहना है, काल से कैसे बचना है।



संसार के लोगों से घर से परिवार से कैसे प्रेम करना है। आशक्त नहीं होना मोह नहीं करना भगवान की शरणगति में ही जीव का कल्याण है। समुद्र मंथन की कथा सुनाई। जिसका सार है कि मन का मंथन कर के हलाहल विष को बाहर करना अपने अंदर प्रशुद्ध भाव के साथ भगवान को प्रगट करना अमृत को प्राप्त करना है। भगवान वामन का अधभूत चरित्र वर्णन किया

अर्थात् अभिमान नहीं करना। भगवान राम के सहित उनके भाइयों का सुंदर प्राकट्य उत्सव मनाया गया। श्री कृष्ण का प्राकट्य उत्सव बहुत ही अद्भुत सुंदर मनाया गया जो की भगवान इस धरा में आनंद के रूप में आए तो अपने अंदर भगवान को रोज प्रगट करे आनंद के रूप में और रोज उत्सव मनाए। इस दौरान श्रोताओं ने मंत्रमुग्ध होकर कथा श्रवण की।

-पीसीएस में सफल होने पर शास्त्री नगर वार्ड के राजपूत शिक्षा मंदिर में हुआ भव्य स्वागत

चित्रकूट। तहसील राजपुर क्षेत्र के नादिन कुर्मियान ग्राम निवासी चीफ फार्मासिस्ट शिवनरेश सिंह के सुपुत्र योगेंद्र सिंह ने पीसीएस परीक्षा 2024 में अभूतपूर्व सफलता हासिल कर अपने गाँव और जनपद का नाम रोशन किया है। इस उपलब्धि पर उन्हें बधाई देने वालों का तांता लगा है और शुभचिंतकों द्वारा स्वागत किया जा रहा है। इसी क्रम में नगर पालिका क्षेत्र

शास्त्री नगर में सभासद शंकर प्रसाद यादव द्वारा राजपूत शिक्षा मंदिर में उनका भव्य स्वागत अभिर्भेदन किया गया। इस दौरान उन्होंने बच्चों को काफी, पेंसल, रबड़ व टायरी वितरण किया तथा विद्यालय में बने बच्चों के लिए झूला व फिसल पट्टी व खेलकूद आंगन का शुभारंभ किया।

इस मौके पर योगेंद्र ने कहा कि उन्होंने पूर्ण मनोयोग से पढ़ाई किया योगेंद्र सिंह ने पीसीएस परीक्षा 2024 में अभूतपूर्व सफलता हासिल कर अपने गाँव और जनपद का नाम रोशन किया है। इस उपलब्धि पर उन्हें बधाई देने वालों का तांता लगा है और शुभचिंतकों द्वारा स्वागत किया जा रहा है। इसी क्रम में नगर पालिका क्षेत्र

मालाओं से स्वागत किया और मिष्ठान खिलाकर बधाई दी और आगे का जो लक्ष्य है उसकी सफलता के लिए आशीर्वाद दिया।

सभासद शंकर यादव ने सभी क्षेत्रवासियों से कहा कि अपने बच्चों को जरूर शिक्षा ग्रहण कराएँ। शिक्षा से ही व्यक्ति का संपूर्ण विकास संभव है, पढ़ और प्रतिष्ठा शिक्षा से ही मिलती है। स्वागत समारोह में समाजसेवी बीपी पटेल, जानकी शरण सिंह, विद्यालय संस्थापक जेपी राजपूत, गोमती देवी राजपूत, शिवनंदन, प्रियंका पांडेय, अनोशा देवी, शोल् देवी, मुन्नी पांडेय, प्रिया शुक्ला, प्रेमचंद्र यादव व कीर्ति सिंह आदि मौजूद रहे।

कठिन परिश्रम, एकाग्रता से ही मिलती है मंजिल : योगेंद्र सिंह

-पीसीएस में सफल होने पर शास्त्री नगर वार्ड के राजपूत शिक्षा मंदिर में हुआ भव्य स्वागत

चित्रकूट। तहसील राजपुर क्षेत्र के नादिन कुर्मियान ग्राम निवासी चीफ फार्मासिस्ट शिवनरेश सिंह के सुपुत्र योगेंद्र सिंह ने पीसीएस परीक्षा 2024 में अभूतपूर्व सफलता हासिल कर अपने गाँव और जनपद का नाम रोशन किया है। इस उपलब्धि पर उन्हें बधाई देने वालों का तांता लगा है और शुभचिंतकों द्वारा स्वागत किया जा रहा है। इसी क्रम में नगर पालिका क्षेत्र

मालाओं से स्वागत किया और मिष्ठान खिलाकर बधाई दी और आगे का जो लक्ष्य है उसकी सफलता के लिए आशीर्वाद दिया।

सभासद शंकर यादव ने सभी क्षेत्रवासियों से कहा कि अपने बच्चों को जरूर शिक्षा ग्रहण कराएँ। शिक्षा से ही व्यक्ति का संपूर्ण विकास संभव है, पढ़ और प्रतिष्ठा शिक्षा से ही मिलती है। स्वागत समारोह में समाजसेवी बीपी पटेल, जानकी शरण सिंह, विद्यालय संस्थापक जेपी राजपूत, गोमती देवी राजपूत, शिवनंदन, प्रियंका पांडेय, अनोशा देवी, शोल् देवी, मुन्नी पांडेय, प्रिया शुक्ला, प्रेमचंद्र यादव व कीर्ति सिंह आदि मौजूद रहे।

10 किलो अवैध गांजे के साथ 2 अभियुक्त गिरफ्तार

चित्रकूट। थाना राजपुर पुलिस टीम ने 2 अभियुक्तों को मोटर साइकिल से ले जा रहे 10 किलो ग्राम अवैध सूखा गांजा के साथ गिरफ्तार किया। पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह के निर्देशन में मादक पदार्थों की तस्करी व बिक्री को रोकथाम के लिए चलाए जा रहे अभियान के क्रम अपर पुलिस अधीक्षक सत्यपाल सिंह व क्षेत्राधिकारी राजपुर राज कमल के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक राजपुर लाखन सिंह के मार्गदर्शन में उपनिरीक्षक शैलेंद्र कुमार सिंह व उनकी टीम द्वारा अभियुक्त जय कुमार पुत्र ज्ञान लाल कुशवाहा निवासी ग्राम तरौल थाना करछना जिला प्रयागराज, योगेंद्र सिंह पुत्र

महेन्द्र प्रताप सिंह निवासी ग्राम खटगियां थाना धूरपुर जनपद प्रयागराज कोएक पीली बोरी में कुल 10 किलो ग्राम अवैध सूखा गांजा के साथ गिरफ्तार किया गया। अभियुक्तों के विरुद्ध थाना राजपुर में धारा 8, 20 एनडीपीएस एक्ट के अन्तर्गत अभियोग पंजीकृत किया गया। परिचय में प्रयुक्त मोटरसाइकिल को धारा 207 एमवी एक्ट के अन्तर्गत सीज किया गया। गिरफ्तार करने वाली टीम में उपनिरीक्षक शैलेंद्र कुमार सिंह, आरक्षी शांकर अली, आरक्षी शुभम मिश्रा, आरक्षी चंदन विश्वकर्मा, आरक्षी लवकुश यादव व आरक्षी चालक पवन राजपूत मौजूद रहे।

14 अप्रैल को किया जाएगा डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती का भव्यता पूर्वक आयोजन

चित्रकूट। समाजवादी पार्टी कार्यालय में शनिवार को मासिक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता पार्टी के जिलाध्यक्ष शिव शंकर सिंह यादव एवं संचालन जिला उपाध्यक्ष नरेंद्र यादव ने किया। बैठक को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष ने बताया कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कार्यकर्ताओं नेताओं को विधान सभा की तैयारियों में जुटने का आह्वान किया है। राष्ट्रीय अध्यक्ष के निर्देशानुसार आगामी 14 अप्रैल को दोनों विधान सभाओं में सेक्टर वार सविधान निर्माता बाबा साहब अंबेडकर की जयंती का आयोजन किया जाएगा। जिसमें बाबा साहब के विचारों का सार जन तक पहुंचाने का कार्य पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा किया जाएगा। हर एक वृद्ध पर पीठिए को जोड़ने का काम प्राथमिकता के

आधार पर किया जाएगा। जिलाध्यक्ष ने बताया कि भाजपा की कुनौतियों से प्रदेश और देश की जनता त्रस्त है। आने वाले विधान सभा चुनाव में वो हिसाब लेने के लिए बताव बैठी है। जिला उपाध्यक्ष मो. गुलाब खान ने संगठन और जनप्रतिनिधियों के तालमेल पर जोर देते हुए बताया कि जनप्रतिनिधियों को जनहित के काम प्राथमिकता से करने पड़ेंगे। हवा हवाई बातों से काम नहीं चलेगा कार्यकर्ताओं के छोटे छोटे काम नाली खड़जा पेयजल जैसी समस्याओं के निराकरण के लिए उनके साथ खड़े रहने का काम अति आवश्यक है। जनता पांच साल में जनप्रतिनिधियों द्वारा जनहित में किए गए कामों का मूल्यांकन चुनाव में ही करती है। पूर्व जिला पंचायत सदस्य सिद्धार्थ पांडेय ने अपने संबोधन में बताया कि बाबा

साहब डॉ. अंबेडकर की जयंती मानिकपुर विधान में भव्य तरीके से मनाई जाएगी और भाजपा द्वारा किए जा रहे जातिगत भेदभाव को उजागर करने का काम भी किया जाएगा। जिला उपाध्यक्ष नरेंद्र यादव ने वृद्ध स्तर पर काम करने की जरूरत पर बल देते हुए बताया कि आज प्रदेश में हर नौजवान और किसान की आस को अखिलेश यादव ही पूरी कर सकते हैं। महिला सभा जिलाध्यक्ष रमा यादव ने बताया कि देश की आधी आबादी गैस और महंगाई से परेशान हैं समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव ने सपा सरकार बनने पर सीधे खातों पर चालीस हजार देने का बात कही है। इस अवसर पर विधान सभा अध्यक्ष मानिकपुर श्याम बिहारी यादव, डिस्ट्रिक्ट कोऑपरेटिव के पूर्व चेयर मैन लवलोश यादव, सभासद

राकेश यादव, नगर अध्यक्ष कृतकेश्वर मिश्र, प्रदेश सचिव ऋतुराज वर्मा, पिछड़ा वर्ग अध्यक्ष रमेश चंद्र कुशवाहा, प्रवक्ता अश्विनी विक्की यादव, चंचल चित्त पटेल, जिला उपाध्यक्ष सीताराम कश्यप, कैलाश बौद्ध, सियाराम गुप्ता, बाबा साहब वाहिनी के जिलाध्यक्ष विश्वजीत सुमन, अधिवक्ता सभा जिलाध्यक्ष त्रिभुवन सिंह यादव, नगर अध्यक्ष रामनरेश अग्रहरि, लोहिया वाहिनी के जिलाध्यक्ष अमर पटेल, युवान सभा जिलाध्यक्ष अजय यादव, विधान सभा अध्यक्ष सुरेंद्र यादव, अंजू सोनी, शोभा जोशी, बलराम निपाद, संदीप प्रजापति, जलाल खान, मान सिंह यादव, संतोष कोटाव, रामसनेही खंगार, ओपी अनुरागी, अर्पित केशवानी, संदीप प्रजापति, रामभवन यादव, बालकृष्ण प्रजापति आदि लोग मौजूद रहे।

बच्चों के शासकीय विद्यालय में शत-प्रतिशत नामांकन को लेकर पहाड़ी ब्लाक मुख्यालय में बच्चों ने निकाली रैली

पहाड़ी/चित्रकूट। शासन के मंशानुरुप जिलाधिकारी पुलकित गर्ग के दिशा-निर्देशन में बेसिक शिक्षा अधिकारी वीके शर्मा के क्रम में स्कूल चलो अभियान को लेकर विकास खण्ड पहाड़ी में मुख्य अतिथि मण्डल अध्यक्ष फूलचंद्र राजपूत एवं विशिष्ट अतिथि खण्ड विकास अधिकारी पहाड़ी संजय कुमार पाण्डेय की मौजूदगी में सैकड़ों बच्चों को शासन द्वारा चलाया जा रहा स्कूल चलो अभियान का लाइव प्रसारण ब्लाक सभागार पहाड़ी में प्रोजेक्टर के माध्यम से दिखाया गया एवं कस्बे के गलियों में जोरदार नारों के साथ रैली का आयोजन किया। खण्ड शिक्षा अधिकारी पहाड़ी राजेश कुमार ने बताया कि इस सत्र के शत-प्रतिशत नामांकन एवं शिक्षा जागरूकता लिए हर घर जाकर विद्यार्थियों को नामांकन कराए जाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। जिसमें अभिभावकों एवं परिजनों को शिक्षा के प्रति जागरूक करना एवं प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक विद्यालय में अपने बच्चों का शत-प्रतिशत नामांकन कराना है। वही रैली खण्ड विकास कार्यालय से पहाड़ी गांव की गलियों में गगन



भेदी नारों के साथ बच्चों एवं अभिभावकों को स्कूल जाने के लिए प्रेरित किया। मुख्य अतिथि मण्डल अध्यक्ष ने कहा कि सभी लोग अपने-अपने गांव में शासन से चल रही सर्व शिक्षा अभियान के तहत शत-प्रतिशत नामांकन कराने में सहयोग करें। इस शासन में विद्यालय का कायाकल्प के तहत 19 पैरामीटर में कराया विकास व मध्याह्न भोजन, निःशुल्क किताबें, जूता-मोजा, बैग सहित

अन्य सुविधाएं भी दी जाता है। इस मौके पर नोडल संकुल शिक्षक पहाड़ी रमेश चन्द्र सिंह, शिक्षक मनोज कुमार द्विवेदी, दीपक कुमार पाण्डेय, बालकृष्ण यादव, सुधा सिंह, आदिता सिंह, अनुराधा, भानुमा, सीमा, कमलेश सिंह, अनिल ब्लाक व्यायाम शिक्षक पहाड़ी व रामनारायण साहू, सहित सैकड़ों छात्र एवं छात्राएं मौजूद रहे।

बंकर में भूखे पेट, नेट-फोन सबकुछ बंद! इजरायलियों को यूँ तड़पा रहा ईरान

ईरान की मिसाइलों से इजरायल में हड़कंप मच चुका है। जगह-जगह पर कुछ ऐसी तस्वीरें सामने आ रही हैं जिसमें सिर्फ और सिर्फ आसमान की तरफ तेज लपटें, धुआं ये सब कुछ उठ रहे हैं ताकि वो इजरायल को लौने पर आमादा नजर आ रहे हैं। जो ईरान की तरफ से बैरिस्टक मिसाइलें दागी जा रही हैं। वो इतने बड़े पैमाने पर इस वक्त विध्वंस मचा रही हैं कि वहां पर ब्लैक आउट जैसी स्थिति है। आपको ये समझना होगा कि जो सूत आपको गाजा में दिखाई दे रही थी वो इस वक्त इजरायल में नजर आ रही है क्योंकि बिल्डिंग इमारतें सब कुछ ध्वस्त होती दिखाई दे रही हैं

और ये समझ में नहीं आ रहा है कि तस्वीर वाकई इजरायल की है या फिर ये गाजा की पुरानी वीडियोस है लेकिन बाद में पता चलता है जी हां भले ही वहां पर तमाम संशंस लगे हो बिन लगाए गए हो बहुत ज्यादा स्ट्रिक्टली कानून पारित किए गए हो ताकि वहां से विजुअल को बाहर ना भेजा जा सके लेकिन इंटरनेट के जमाने में वो निकल कर जब सामने आ रही है तो कुछ ऐसी खबरें आ रही हैं कि इजरायल पर इस वक्त दबाव बढ़ चुका है। जिस हिसाब से ईरान, हिजबुल्लाह और अब हूती इन तीनों की तरफ से ट्रिपल अटैक किया जा रहा है। जो ग्राउंड ऑपरेशन भी किया जा रहा है हिजबुल्ला

के थू उससे वहां पर कहा जा रहा है कि इंटरनेट ब्लैकआउट जैसी स्थिति हो गई है। मोबाइल के जो टावर हैं वो काम करना बंद कर चुके हैं कई जगहों पर और इन खबरों के बाद ऐसा लगता है कि वाकई इजरायल जो कहता था कि हम बहुत अच्छे से अपने आप को बचा रहे हैं। कहते हैं ना कि इतिहास अपने आप को दोहराता है। इजरायल के मामले में कुछ जल्दी ही दोहरा दिया इतिहास ने। एक से दो साल पहले तक गाजा का मंजर नजर आता था। अब इजरायल के अंदर में इंटरनेट नहीं आ रहा है और संचार व्यवस्था ठप पड़ गई है। ये आश्चर्य की बात है। वो इजरायल जो दावा करता था



कि वो तो अजय है। उसकी तकनीक तो दुनिया भर में इस्तेमाल की जाती है। वो इजरायल जिसमें दुश्मन पर तक नहीं मार सकता। ये स्थिति थी। परिंद पर तक नहीं

मार सकता तो दुश्मन की क्या ही बिसात इस तरह की बातें कही जाती थी। आज वो इजरायल पानी मांग रहा है। यह सिर्फ इस जंग के 323 दिन के भीतर हो पाया है। इजरायल जो तकनीक के मामले में ही तो दावा करता है कि उसके लोग उसकी एजेंसियां दुनिया के किसी भी देश में घुस जाती हैं। वहां लोगों को मार करके अपने टारगेट को खत्म करके वापस भी आ जाते हैं। 89वीं से 90वीं वेव अभी बताई जा रही है कि वो ईरान की तरफ से दागी जा रही है। मतलब जब सब कुछ खत्म था अगर अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की बातों को मान ले तो फिर वो भागने की कगार पर क्यों जा चुके हैं? वो बार-बार

अपने बयानों को बदल रहे हैं। ड्रोन और मिसाइल की बारिश लगातार मिसाइल लॉन्च की रिपोर्ट आ रही है। ड्रोन हमलों का भी दावा किया जा रहा है। कई वेब्स में हमले किए गए। एयर डिफेंस पर दबाव जो प्रेशर है वो बढ़ता जा रहा है। रणनीतिक टिकानों को निशाना बना रहा है ईरान। हमलों की तीव्रता में बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। इसके अलावा खाने और बिजली नेटवर्क पर भी असर हो रहा है। स्पलाई चैन पर पूरी तरीके से अवर पड़ा है। सुपर मार्केट में कमी की तस्वीरें सामने आ रही हैं। टेलीकॉम नेटवर्क प्रभावित होने का दावा है। इंटरनेट और फोन सेवाओं में रुकावट दर्ज की जा रही है।

अचानक भारत में उतरा रूस का ताकतवर व्यक्ति, बड़ी हलचल शुरू!

रूस भारत में जब सुबह के 6:30 बज रहे थे उस वक्त अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को लेकर एक ऐसी बात कही जिसका मतलब कई लोग समझ ही नहीं पाए। लेकिन भारत शायद पहले से ही जानता था कि डोनाल्ड ट्रंप अपनी छवि को बचाने के लिए ईरान में कुछ असंभव सा काम करने जा रहे हैं। शायद इसीलिए जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान को धमकी दे रहे थे। लगभग उसी वक्त रूस के एक ताकतवर शख्स ने भारत में कदम रख दिया। रूस का यह ताकतवर शख्स भारत में जो करने आया है उसके बारे में पूरे भारत को पता होना चाहिए क्योंकि आने वाले दिनों में एक-एक भारतीय को इस तस्वीर की कीमत समझ आ जाएगी। डोनाल्ड ट्रंप ईरान की जंग आपके घरों तक पहुंचाने की तैयारी कर रहे हैं। डोनाल्ड ट्रंप ऐसा ना कर पाए इसीलिए रूस का यह ताकतवर शख्स सुबह-सुबह के



अंधेरे में भारत पहुंच गया। रूस का यह ताकतवर व्यक्ति कौन है और यह भारत में क्या करने आया है वो आपको आगे बताएंगे। लेकिन उससे पहले जल्दी से जान लीजिए कि ट्रंप ने क्या पागलपन कर दिया है। ट्रंप ने कहा है कि मैं अगले दो-तीन हफ्तों में ईरान पर बेहद जोरदार हमला करने वाला हूँ। मैं

ईरान को स्टोन एज यानी पाषाण युग में वापस धकेलने वाला हूँ। दरअसल डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि ईरान ने अगर मेरी बात नहीं मानी तो मैं ईरान के सभी बिजली स्टेशंस, वाटर ट्रीटमेंट प्लांट्स, सारे एनर्जी प्रोडक्शन प्लांट्स, सारा इंफ्रास्ट्रक्चर उड़ा दूंगा। ईरान के करीब 9 करोड़ लोग सड़कों पर आ जाएंगे।

ईरान के लोग वैसी ही जिंदगी जीने को मजबूर हो जाएंगे जैसी सैकड़ों साल पहले पाषाण युग के लोग जीते थे। अगर ट्रंप ने ऐसा कर दिया तो पूरी दुनिया में तूफान आ जाएगा। शायद इसी कड़ी में रूस के फस्ट डेप्युटी प्राइम मिनिस्टर डेनिस मंट्रोव दो दिवसीय भारत यात्रा पर आए हैं। डेनिस मंट्रोव पुतिन के कोर ग्रुप में शामिल हैं और रूस के टॉप पॉलिसी मेकर हैं। रूस जानता है कि आने वाले समय में उसे भारत की बहुत ज्यादा जरूरत पड़ने वाली है और भारत को भी रूस पर अपनी निर्भरता बढ़ानी होगी। अमेरिकी संशंस हटने के बाद रूस अचानक पूरी दुनिया में सबसे बड़ा एनर्जी सप्लायर बन गया है। चीन, भारत, यूरोप, अफ्रीका, सेंट्रल एशिया सभी गैस और तेल के लिए रूस से संपर्क कर रहे हैं। लेकिन वहां पर रूस एक अजीब सी स्थिति में फंस गया है। इस स्थिति से निकलने के लिए रूस को भारत की मदद चाहिए।

ब्रिटेन विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को कहा कि भारत पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने के लिए यूनाइटेड किंगडम द्वारा आयोजित बहुराष्ट्रीय वचुअल शिखर सम्मेलन में भाग लेगा, और साथ ही यह भी बताया कि लंदन ने नई दिल्ली को निमंत्रण भेजा है। मीडिया ब्रीफिंग में बोलते हुए विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि ब्रिटेन ने होर्मुज जलडमरूमध्य पर वार्ता के लिए भारत सहित कई देशों को आमंत्रित किया है। उन्होंने आगे बताया कि विदेश सचिव विक्रम मिसरी गुरुवार शाम को वार्ता में शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि हम ईरान और अन्य देशों के साथ संपर्क में हैं ताकि यह पता लगाया जा सके कि हमारे जहाजों के लिए निर्बाध और सुरक्षित पारगमन कैसे सुनिश्चित किया जा सकता है, जिनमें एलपीजी, एलएनजी और



अन्य उत्पाद ले जाए जा रहे हैं। जायसवाल ने आगे कहा कि पिछले कई दिनों से चल रही बातचीत के परिणामस्वरूप, छह भारतीय जहाज होर्मुज जलडमरूमध्य को सुरक्षित रूप से पार करने में सक्षम रहे हैं, और हम संबंधित पक्षों के साथ लगातार संपर्क में हैं। लगभग 30 देशों का एक गठबंधन ब्रिटेन द्वारा आयोजित आभासी शिखर सम्मेलन में रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने की योजनाओं पर चर्चा

करने वाला है। इस बैठक में महत्वपूर्ण जहाजरानी मार्ग तक पहुंच बहाल करने के लिए राजनयिक और राजनीतिक विकल्पों पर विचार-विमर्श किया जाएगा, हालांकि अमेरिका के इसमें भाग लेने की संभावना नहीं है। अमेरिका और इजरायल के बीच चल रहे युद्ध के जवाब में ईरान ने जलडमरूमध्य में कई जहाजों को निशाना बनाया है, जिससे ऊर्जा निर्यात बाधित हुआ है और वैश्विक ईंधन की कीमतें बढ़ गई हैं।

इराकी मिलिशिया कर सकते हैं आतंकी हमला

बगदाद बगदाद स्थित अमेरिकी दूतावास ने गुरुवार को एक आपातकालीन सुरक्षा चेतावनी जारी करते हुए कहा कि ईरान समर्थित "आतंकवादी" मिलिशिया समूह अगले 24 से 48 घंटों के भीतर मध्य बगदाद में हमले की योजना बना सकते हैं। दूतावास ने एक पोस्ट में चेतावनी दी कि संभावित लक्ष्यों में अमेरिकी नागरिक, व्यवसाय, विश्वविद्यालय, राजनयिक सुविधाएं, ऊर्जा अवसंरचना, होटल, हवाई अड्डे और अन्य ऐसे स्थान शामिल हो सकते हैं जिन्हें संयुक्त राज्य अमेरिका से जुड़ा हुआ माना जाता है। चेतावनी में अपहरण के खतरे



पर भी प्रकाश डाला गया है, जिसमें कहा गया है कि आतंकवादी मिलिशिया समूहों ने अमेरिकियों को अपहरण के लिए निशाना बनाया है। दूतावास ने कहा, इराकी सरकार इराकी क्षेत्र में या उससे होने वाले

आतंकवादी हमलों को रोकने में विफल रही है और आगे कहा कि कुछ ईरान समर्थित मिलिशिया समूह इराकी अधिकारियों से संबद्धता का दावा कर सकते हैं और "इराकी सरकारी कर्मचारी होने का प्रमाण

प्र रख सकते हैं। कथित तौर पर बड़े खतरे के बावजूद, इराक में अमेरिकी दूतावास अमेरिकी नागरिकों की सहायता के लिए निर्धारित प्रस्थान आदेश के तहत कार्यरत है। हालांकि, दूतावास ने गंभीर जोखिमों के कारण बगदाद में राजनयिक सुविधाओं या एर्बिल में वाणिज्य दूतावास में जाने से बचने की पुरजोर सलाह दी है। दूतावास ने इराक के लिए अमेरिकी विदेश विभाग की लेवल 4 यात्रा सलाह को दोहराते हुए अमेरिकियों से किसी भी परिस्थिति में देश की यात्रा न करने और यदि वे पहले से ही वहां मौजूद हैं तो तुरंत वहां से निकलने का आग्रह किया है।

इराकी मिलिशिया कर सकते हैं आतंकी हमला

बगदाद बगदाद स्थित अमेरिकी दूतावास ने गुरुवार को एक आपातकालीन सुरक्षा चेतावनी जारी करते हुए कहा कि ईरान समर्थित "आतंकवादी" मिलिशिया समूह अगले 24 से 48 घंटों के भीतर मध्य बगदाद में हमले की योजना बना सकते हैं। दूतावास ने एक पोस्ट में चेतावनी दी कि संभावित लक्ष्यों में अमेरिकी नागरिक, व्यवसाय, विश्वविद्यालय, राजनयिक सुविधाएं, ऊर्जा अवसंरचना, होटल, हवाई अड्डे और अन्य ऐसे स्थान शामिल हो सकते हैं जिन्हें संयुक्त राज्य अमेरिका से जुड़ा हुआ माना जाता है। चेतावनी में अपहरण के खतरे



पर भी प्रकाश डाला गया है, जिसमें कहा गया है कि आतंकवादी मिलिशिया समूहों ने अमेरिकियों को अपहरण के लिए निशाना बनाया है। दूतावास ने कहा, इराकी सरकार इराकी क्षेत्र में या उससे होने वाले

आतंकवादी हमलों को रोकने में विफल रही है और आगे कहा कि कुछ ईरान समर्थित मिलिशिया समूह इराकी अधिकारियों से संबद्धता का दावा कर सकते हैं और "इराकी सरकारी कर्मचारी होने का प्रमाण

प्र रख सकते हैं। कथित तौर पर बड़े खतरे के बावजूद, इराक में अमेरिकी दूतावास अमेरिकी नागरिकों की सहायता के लिए निर्धारित प्रस्थान आदेश के तहत कार्यरत है। हालांकि, दूतावास ने गंभीर जोखिमों के कारण बगदाद में राजनयिक सुविधाओं या एर्बिल में वाणिज्य दूतावास में जाने से बचने की पुरजोर सलाह दी है। दूतावास ने इराक के लिए अमेरिकी विदेश विभाग की लेवल 4 यात्रा सलाह को दोहराते हुए अमेरिकियों से किसी भी परिस्थिति में देश की यात्रा न करने और यदि वे पहले से ही वहां मौजूद हैं तो तुरंत वहां से निकलने का आग्रह किया है।

हमारी मिसाइल और ड्रोन की गिनती में गलती कर रहे ट्रंप

ईरान ईरान ने एक बार फिर ट्रंप के मध्य पूर्व में संघर्ष समाप्त करने और अपने नेतृत्व और सेना के पूरी तरह से नष्ट हो जाने के दावों की कड़ी आलोचना की है। तेहरान ने कहा कि युद्ध तब तक जारी रहेगा जब तक अमेरिका को "स्थायी अपमान" का सामना नहीं करना पड़ता। ईरानी सेना ने ट्रंप को फटकार लगाते हुए कहा कि संघर्ष तब तक जारी रहेगा जब तक संयुक्त राज्य अमेरिका को स्थायी अपमान, पश्चाताप और आत्मसमर्पण का सामना नहीं करना पड़ता। तेहरान की यह प्रतिक्रिया ट्रंप के राष्ट्र को संबोधित भाषण के बाद आई है, जिसमें उन्होंने दावा किया था कि ईरान की नौसेना

और वायु सेना काफी कमजोर हो गई हैं और उसके नेतृत्व ढांचे को भारी झटका लगा है। ईरानी सरकारी प्रसारक प्रेस टीवी के अनुसार, खातम अल-अनबिया केंद्रीय मुख्यालय के एक प्रवक्ता ने ईरान के सैन्य ढांचे को हुए नुकसान के बारे में अमेरिकी दावों को खारिज करते हुए कहा कि ईरान की क्षमताओं के बारे में अमेरिकी खुफिया जानकारी अभी भी अधूरी है। अमेरिका ईरान की क्षमताओं को कम आंक रहा है। ट्रंप के दावों को खारिज करते हुए प्रवक्ता ने कहा कि वाशिंगटन को इस्तामिक गणराज्य की "विशाल रणनीतिक क्षमताओं" की समझ नहीं है, और इस बात से इनकार किया कि संघर्ष के दौरान तेहरान की मिसाइलों और ड्रोन तैनात करने की



क्षमता में कोई खास कमी आई है। प्रवक्ता ने कहा हमारी सैन्य शक्ति और उपकरणों

के बारे में आपकी जानकारी अधूरी है। आप हमारी विशाल रणनीतिक क्षमताओं के

बारे में कुछ नहीं जानते। यह न मानें कि आपने हमारे रणनीतिक मिसाइल उत्पादन स्थलों, लंबी दूरी के हमलावर और सटीक ड्रोन, आधुनिक वायु रक्षा प्रणालियों, इलेक्ट्रॉनिक युद्धक उपकरणों या विशेष उपकरणों को नष्ट कर दिया है। प्रवक्ता ने प्रेस टीवी के हवाले से कहा कि ऐसे अनुमान केवल उस दलदल को और गहरा करेंगे जिसमें आप फंस गए हैं। जिन स्थलों पर आपने हमला किया है, वे नगण्य हैं;

हमारा रणनीतिक सैन्य उत्पादन उन स्थानों से संचालित होता है जो आपको अज्ञात हैं और आपकी पहुंच से बाहर हैं। हमारी मिसाइलों, ड्रोन और रणनीतिक प्रणालियों की गिनती करने का प्रयास न करें, आप गलत होंगे और आपको कुछ हासिल नहीं होगा।

संगमरमर उद्योग बना

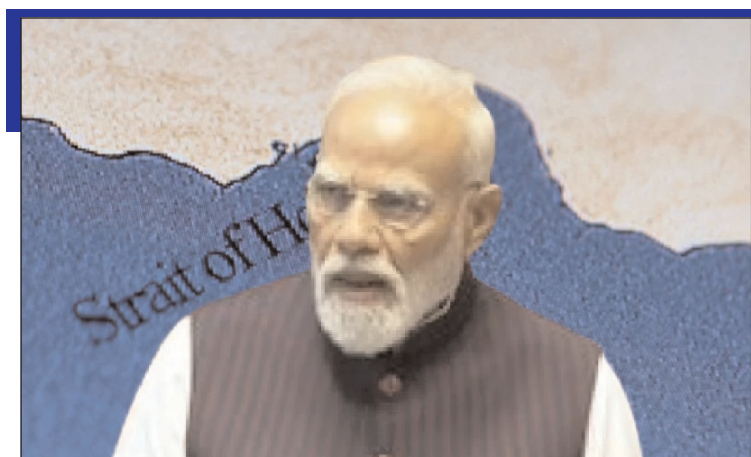
तबाही का कारण



ईरान खैबर पख्तुनख्वा के मोहम्मद जिले में संगमरमर उद्योग, जिसे कभी रोजगार और आर्थिक गतिविधियों का मुख्य स्रोत माना जाता था, अब अपने हानिकारक पर्यावरणीय और सुरक्षा परिणामों के कारण आलोचनाओं का सामना कर रहा है। डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, स्थानीय निवासी और विशेषज्ञ चेतावनी दे रहे हैं कि अनियंत्रित औद्योगिक गतिविधियां पूरे क्षेत्र में जल प्रणालियों, कृषि भूमि और बुनियादी ढांचे को खतरे में डाल रही हैं। डॉन के अनुसार, मोहम्मद संगमरमर, क्रोमाइट और नेफ्राइट जैसे बहुमूल्य प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध है। इन संसाधनों ने स्थानीय आजीविका को सहारा देने और राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में योगदान देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हालांकि, सख्त नियामक निगरानी के अभाव के

कारण गंभीर पर्यावरणीय गिरावट आई है। अधिकारियों ने पहले मचनाई में मोहम्मद मार्बल सिटी परियोजना शुरू की थी, जिसे अब मोहम्मद आर्थिक क्षेत्र कहा जाता है, ताकि कारखानों को उचित अपशिष्ट प्रबंधन प्रणालियों के साथ एक संरचित औद्योगिक व्यवस्था में स्थानांतरित किया जा सके। इस पहल के बावजूद, केवल कुछ ही इकाइयां स्थानांतरित हुई हैं, जबकि अधिकांश हलीमजई तहसील में, विशेष रूप से चंदा, संगर और नासपाई जैसे क्षेत्रों में, अपना संचालन जारी रखे हुए हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि कई कारखाने बिना उपचारित अपशिष्ट जल, संगमरमर का घोल और धूल प्राकृतिक जलधाराओं में छोड़ रहे हैं। इस अनियंत्रित अपशिष्ट से जलमार्ग अवरुद्ध हो रहे हैं, जिससे भारी वर्षा के दौरान अचानक बाढ़ का खतरा बढ़ रहा है।

अखंड भारत संदेश
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक
स्वामी श्री योगी सत्यम् फॉर
योग सत्संग समिति
द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज
1/6C माधव कुंज
कटरा, प्रयागराज से मुद्रित
एवं
क्रियायोग आश्रम एण्ड अनुसंधान संस्थान
झुंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश
से प्रकाशित
सम्पादक
स्वामी श्री योगी सत्यम्
RNI NO. UPHIN/2001/09025
प्रबन्धक
अनूप मिश्रा
ऑफिस मो.:
9565333000
Email:
akhandbharsatandesh1@gmail.com
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र
प्रयागराज होगा



ईरान क्षेत्रीय तनाव बढ़ने के बीच, भारत में ईरानी दूतावास ने होर्मुज जलडमरूमध्य के संबंध में आश्चर्य किया और इस बात पर जोर दिया कि संघर्ष जारी रहने और युद्धविराम के प्रयास असफल होने के

बावजूद धराने की कोई बात नहीं है। होर्मुज जलडमरूमध्य एक संकरा, रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण जलमार्ग है जो फारस की खाड़ी को ओमान की खाड़ी और अंततः अरब सागर से जोड़ता है। यह दक्षिण-पूर्व में ओमान और उत्तर में ईरान के

भारतीय मित्र सुरक्षित हाथों में

बीच स्थित है। यह खाड़ी देशों से तेल और गैस ले जाने वाले जहाजों के विश्वभर में आवागमन को सक्षम बनाने वाला एक प्रमुख मार्ग है। हालांकि, मध्य पूर्व में अशांति के कारण होर्मुज में आवागमन बाधित होता रहता है। दूतावास द्वारा किए गए एक पोस्ट में लिखा गया हमारे भारतीय मित्र सुरक्षित हाथों में हैं, चिंता की कोई बात नहीं है। गौरतलब है कि खाड़ी संघर्ष के बीच भारतीय नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और भारतीय जहाजों के लिए सुरक्षित मार्ग सुनिश्चित करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्रालय ईरानी अधिकारियों के साथ लगातार संपर्क में हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने मध्य पूर्व के अन्य नेताओं के साथ भी नियमित संपर्क बनाए रखा है ताकि प्रयासों का समन्वय किया जा

सके और क्षेत्र में भारतीयों की सुरक्षा को प्राथमिकता दी जा सके। ट्रंप ने ईरान में 'काम पूरा करने' का संकल्प लिया अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 28 फरवरी को एक महत्वपूर्ण राष्ट्र संबोधन दिया, जो ईरान के साथ तनाव बढ़ने के बाद उनकी पहली सार्वजनिक टिप्पणी थी। व्हाइट हाउस के ऐतिहासिक क्रॉस हॉल से बोलते हुए, उन्होंने कहा कि अमेरिकी सेना ने ईरान की सेना को "निर्णायक" झटका दिया है। ट्रंप ने कहा कि ऑपरेशन एपिक पयूरी नामक अभियान ने ईरान की मिसाइल प्रणालियों, ड्रोन और हथियार सुविधाओं को भारी नुकसान पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि देश की हमले करने की क्षमता "काफी हद तक कम" हो गई है।